



आग्र भारत

www.agrabharat.in

नई सोच का अखबार

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र



वर्ष: 19

अंक: 101

आगरा, सोमवार 28 सितम्बर 2026

पृष्ठ: 8 मूल्य: 2.00 ₹.

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 से पहले सीएम योगी कर रहे मैराथन बैठकें

गृहमंत्री शाह के बाद पीएम मोदी से मिले, संगठन में बड़े बदलाव की आहट

लखनऊ, (ए)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की दिल्ली यात्रा और बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठकों ने सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। शुक्रवार को नोएडा में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद सीएम योगी ने शनिवार को दिल्ली में पीएम मोदी से बैठक की और उसके बाद बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन से भी मिले। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 से ठीक पहले हो रही ये बैठकें, केवल एक प्रशासनिक कवायद नहीं, बल्कि राज्य की राजनीति और संगठन में बड़े बदलावों की आहट मानी जा रही हैं।

इन बैठकों के केंद्र में यूपी की 10 राज्यसभा सीटों के आगामी चुनाव भी हैं, जिन्हें 2027 के विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा है। बीजेपी अपने कोटे की 8 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर गहराई से मंथन कर रही है। इसमें पुराने चेहरों को दोहराने या नए क्षेत्रीय-जातिगत समीकरणों को साधने पर विचार कर



रही है। ओबीसी, दलित, ब्राह्मण और क्षत्रिय संतुलन को साधकर ऐसे चेहरों को संसद भेजने की रणनीति है, जो समाजवादी पार्टी के पीडीए कार्ड की काट बन सकें। माना जा रहा है कि

पीएम मोदी और नितिन नबीन के साथ योगी ने इन्हीं नामों को अंतिम रूप देने पर चर्चा की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में एसआईआर को लेकर विपक्ष,

खासकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने चुनाव आयोग का रुख कर धांधली के गंभीर आरोप लगाए थे। इस तनावनी के मद्देनजर, शीर्ष नेतृत्व के साथ हुई जाँचिम नहीं लेना चाहती, इसलिए ये मैराथन बैठकें कर रही हैं कि पार्टी 2027 के लिए पूरी तरह चुनावी मोड़ में है, और जल्द ही उम्मीदवारों व संगठनात्मक फैसलों का बड़ा एलान हो सकता है।

के तहत पूरी पारदर्शिता से मतदाता सूची को दुरुस्त करने की रणनीति बनाई गई है। बीजेपी आलाकमान का स्पष्ट संदेश है कि चुनाव आयोग के साथ किसी भी टकराव से बचा जाए। नबीन का कार्यभार संभालने के बाद उत्तर प्रदेश के चुनावी प्रबंधन पर यह पहली औपचारिक मंथन बैठक थी, जिसमें राज्य सरकार की उपलब्धियों और नए अभियानों की रूपरेखा तैयार की गई।

रिपोर्ट के मुताबिक चर्चाएं जोरों पर हैं कि विधानसभा चुनाव से पहले राज्य मंत्रिमंडल में रिक्त पदों को भरने और संगठन में युवा चेहरों को बड़ी जिम्मेदारियां सौंपने पर भी फैसला हो सकता है। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद बीजेपी उत्तर प्रदेश में कोई जोरखिम नहीं लेना चाहती, इसलिए ये मैराथन बैठकें कर रही हैं कि पार्टी 2027 के लिए पूरी तरह चुनावी मोड़ में है, और जल्द ही उम्मीदवारों व संगठनात्मक फैसलों का बड़ा एलान हो सकता है।

तिहाड़ जेल में बंद अमेरिकी और यूक्रेनी

नागरिकों को मिली घर जाने की इजाजत

नई दिल्ली, (ए)। तिहाड़ जेल में बंद अमेरिकी नागरिक मैथ्यू वैनडाइक को दिल्ली की राजज एवेन्यू कोर्ट ने एक महीने के लिए निजी मुचलके पर घर जाने की इजाजत दे दी है। उनके साथ छह यूक्रेनी नागरिकों को भी अनुमति मिली है। मैथ्यू को इस साल मार्च में एनआईए ने म्यांमार सीमा के पास विद्रोही गुटों को ड्रोन और हथियार चलाने का प्रशिक्षण देने के आरोप में गिरफ्तार किया था। इस फैसले के बाद एक गंभीर सवाल उठता है। अगर मैथ्यू वैनडाइक एक महीने बाद भारत वापस नहीं लौटे तो क्या होगा और भारत सरकार इस स्थिति में क्या कदम उठाएगी?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत का संविधान विदेशी नागरिकों को भी कुछ मूलभूत अधिकार प्रदान करता है, जिनमें जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार और कानूनी समानता का अधिकार शामिल है। हालांकि, भारत की संप्रभुता और कानून व्यवस्था हमेशा प्राथमिकता पर रहती है। विदेशी कैदियों से जुड़े मामलों को दो श्रेणियों में बांटा जाता है। सजायाफ्ता कैदी और अंडरट्रायल कैदी। रिपोर्ट के मुताबिक यदि किसी विदेशी नागरिक को भारत में सजा सुनाई जा चुकी है, तो वह कैदियों के प्रत्यावर्तन अधिनियम के तहत अपने देश लौट सकता है, बशर्ते भारत का उस देश के साथ कैदियों के हस्तांतरण की संधि हो और उस पर कोई अन्य मामला लंबित न हो। वहीं, यदि मामला कोर्ट में लंबित है और आरोपी जमानत पर है, तो आमतौर पर उसका पासपोर्ट जब्त कर लिया जाता है या उस पर भारत छोड़ने पर प्रतिबंध रहता है। यदि कोई विदेशी आरोपी जमानत या पैरोल पर अपने देश भाग जाता है और वापस नहीं लौटता, तो भारत के पास उसे वापस लाने के लिए कड़े कानूनी प्रावधान हैं।

भारतीय अदालत द्वारा गैर-जमानती वारंट जारी होने पर इंटरपोल के माध्यम से रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराया जा सकता है, जिससे दुनिया भर में उसकी गिरफ्तारी संभव हो सकती है। जमानत देने वाले स्थानीय जमानतदार की जमानत राशि जब्त कर ली जाती है, और भारत में यदि आरोपी की कोई संपत्ति है, तो उसे कुर्क करने की कानूनी कार्यवाही की जाती है। ऐसे भगोड़े नागरिक को भारत में ब्लैकलिस्ट कर दिया जाता है और उसका वीजा स्थायी रूप से रद्द हो जाता है, जिससे भविष्य में उसकी एंट्री पर रोक लग जाती है। इस संदर्भ में भोपाल गैस त्रासदी के मुख्य आरोपी और यूनिनन कार्बाइड के तत्कालीन चेयरमैन वारेन एंडरसन का मामला बेहद अहम है। दिसंबर 1984 में त्रासदी के तीन दिनों बाद ही एंडरसन को भोपाल हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन कुछ ही घंटों के भीतर उसे 25,000 रुपये के निजी मुचलके पर जमानत मिल गई थी। वारेन एंडरसन भारत से जाने के बाद कभी वापस नहीं लौटा और उसने भारतीय अदालतों के कई समन और वारंट को नजरअंदाज कर दिया। भारतीय न्यायपालिका ने उसे भगोड़ा घोषित किया और गैर-जमानती वारंट जारी किए, लेकिन अमेरिकी सरकार ने प्रत्यर्पण में सहयोग नहीं किया। 29 सितंबर 2014 को एंडरसन बिना किसी मुकदमे या सजा का सामना किए उसकी मृत्यु हो गई। मैथ्यू वैनडाइक के मामले में भी ऐसी ही स्थिति न बने, यह सुनिश्चित करना भारत के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

देश की पहली शताब्दी ट्रेन 10 जुलाई 1988 को

नई दिल्ली से झांसी के बीच चलाई थी

नई दिल्ली, (ए)। भारतीय रेलवे के विशाल नेटवर्क में शताब्दी एक्सप्रेस एक प्रीमियम ट्रेन के रूप में जानी जाती है, जो अपनी तेज गति और बेहतर सुविधाओं के लिए लोकप्रिय है। अक्सर यात्रियों के मन में यह सवाल उठता है कि इस ट्रेन का नाम शताब्दी ही क्यों पड़ा और यह जन शताब्दी एक्सप्रेस से किस तरह अलग है। इन दोनों प्रीमियम ट्रेनों के बीच कई अंतर हैं, जो उन्हें अलग-अलग उद्देश्यों और यात्रियों के लिए उपयुक्त बनाते हैं। शताब्दी शब्द का हिंदी में अर्थ 100 साल या सेंचुरी होता है। इस ट्रेन की शुरुआत साल 1988 में तत्कालीन रेल मंत्री माधवराव सिंधिया के कार्यकाल में की गई थी।

दरअसल 1988 में भारत के पहले पीएम पंडित जवाहरलाल नेहरू की 100वीं जयंती थी। पंडित नेहरू के जन्म शताब्दी के मौके पर उनके 100वें जन्मोत्सव को यादगार बनाने के लिए एक विशेष योजना बनाई गई। इसी योजना के तहत यात्रियों को तेज गति और बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के मकसद से इस स्पेशल ट्रेन को लॉन्च किया गया था। यही वजह है कि इसका नाम शताब्दी एक्सप्रेस रखा गया। देश की पहली शताब्दी एक्सप्रेस 10 जुलाई 1988 को नई दिल्ली से झांसी के बीच चलाई गई थी, जिसे बाद में भोपाल तक बढ़ाया गया।

शताब्दी एक्सप्रेस अपनी विशिष्ट खासियतों के लिए जानी जाती है। यह एक इंटरसिटी ट्रेन है, यानी दो महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ती है और दिन के समय चलती है। यह सुबह अपनी मंजिल के लिए निकलती है और शाम तक अपने शुरुआती स्टेशन लौट आती है। इसमें स्लीपर कोच नहीं होते, बल्कि केवल सीटिंग चेयर की सुविधा होती है, जिनमें एसी चेयर कार और एरजीक्यूटिव चेयर कार शामिल हैं। इस ट्रेन के सभी कोच वातानुकूलित होते हैं।

तिरुचेन्द्र, (ए)। तमिलनाडु के तिरुचेन्द्र में स्थित तिरुचेन्द्र अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ उमड़ी। रविवार होने से हजारों भक्तों ने मंदिर में दर्शन किए। मंदिर में शनिवार को पूर्णिमा पर भी लोगों की भीड़ पहुंची। मंदिर के पास समुद्र तट पर जमा हुए भक्तों ने रेत पर बैठकर दीपक जलाए और चंद्रमा की पूजा की। कई लोग पूर्णिमा की रस्म के तहत रात भर मंदिर के पास समुद्र तट पर ही रुके रहे। रविवार को छुट्टी होने के कारण भी मंदिर में भक्तों की भीड़ रही है। तिरुचेन्द्र मंदिर भगवान मुरुगन के छह पवित्र स्थानों में से एक है। इस मंदिर की एक खास बात यह है कि यह भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित है। यह वही पवित्र स्थान है जहां भगवान मुरुगन ने देवताओं के देवसेनापति का रूप धारण किया और असुर का वध करके बुराई पर विजय प्राप्त की थी। तब से तमिल लोग स्कंद पंथी के दौरान इसे एक वार्षिक उत्सव



के रूप में मनाते हैं। संगम साहित्य और शिलप्पदिकारम में उल्लिखित यह मंदिर करीब 2000 साल पुराना माना जाता है। यह समुद्र तट पर स्थित मंदिर भगवान मुरुगन को समर्पित है। जिस स्थान पर यह मंदिर स्थित है, उसे पहले तिरुचिरलाईवाई के नाम से जाना जाता था। मंदिर का शिखर 157 फीट ऊंचा है और इसमें नौ मंजिलें हैं। सुरपथन पर विजय प्राप्त करने के बाद, भगवान मुरुगन ने अपनी जीत के लिए आभार

व्यक्त करने के लिए भगवान शिव की पूजा की थी। यहां मुरुगन की प्रतिमा के दाहिने हाथ में कमल का फूल सुशोभित है। वे शिव योगी की तरह अपने सिर पर जटा-मुकुट भी धारण किए हुए हैं पिछले कुछ सालों से श्रद्धालु पूर्णिमा के दिनों में यहां बड़ी संख्या में आ आते हैं। वे पूरी रात मंदिर के समुद्र तट पर रुकते हैं, दीपक जलाते हैं और चंद्रमा की पूजा करते हैं।

बंगाल को जनता ने बचा लिया.....वरना

परिस्थितियां और गंभीर हो सकती थी

कोलकाता (ए)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी ने राज्य के बीते राजनीतिक माहौल का जिक्र कर कहा कि एक समय उन्हें अपने बुजुर्ग माता-पिता को ओडिशा भेजने तक की तैयारी करनी पड़ी थी। उन्होंने कहा कि जनता ने राज्य को बचा लिया, वरना परिस्थितियां और गंभीर हो सकती थीं। सीएम सुवेंदु अधिकारी ने यह बात कोलकाता स्थित नेशनल लाइब्रेरी में आयोजित 7राम-शरद कोठरी प्रतिभा सम्मान? समारोह में कही।

मुख्यमंत्री सुवेंदु ने बताया कि उनके पिता की उम्र 90 और मां की उम्र 80 वर्ष से अधिक है। उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें आशंका थी कि राजनीतिक संघर्ष के दौरान उन्हें जेल जाना पड़ सकता है और किसी अप्रिय स्थिति में अपने माता-पिता को सुरक्षित स्थान पर भेजना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि अभी राज्य में काफी काम होना बाकी है।

यह कार्यक्रम अयोध्या में पुलिस की गोली से मारे गए राम और शरद



कोठरी की स्मृति में आयोजित किया गया था। सीएम अधिकारी ने कहा कि उनकी सरकार कोठरी बंधुओं के नाम पर कई स्मृति पहल शुरू करने पर विचार कर रही है। इसमें पश्चिम बंगाल में सड़क का नामकरण और विश्वविद्यालयों-कॉलेजों में उनके नाम से पुरस्कार शुरू करना शामिल है।

गौ संरक्षण पर भी दिया जोर मुख्यमंत्री सुवेंदु ने राज्य में गौ संरक्षण को लेकर भी अपनी सरकार की प्रतिबद्धता जाहिर की है। उन्होंने

कहा कि वह पश्चिम बंगाल में गौहत्या की अनुमति नहीं देने वाले हैं। साथ ही उन्होंने गौ संरक्षण के लिए काम करने वाले संगठनों से अधिक संख्या में गौशालाएं स्थापित करने की अपील की और सरकारी सहायता का पूरा आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि पुरलिया, कोलकाता और खड़गपुर में छोटी गौशालाएं पहले से संचालित हैं और राज्य के अन्य हिस्सों में भी ऐसी सुविधाएं विकसित करने की जरूरत है।

दीदी ने दिखाए तेवर बोलीं- तुम बंगाल रखो, हम दिल्ली लेने को तैयार

नई दिल्ली(ए)। एसआईआर को लेकर जारी बवाल और मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ अन्य चुनाव आयुक्तों के बीच मतभेद की खबरों के बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा पर आक्रामक हो गई हैं। वह इस मौके का पूरा फायदा उठाकर विपक्षी एकता को मजबूत करने का प्रयास कर रही हैं और केंद्र सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर तुमने बंगाल लिया है, तो हम दिल्ली ले लेंगे।

ममता बनर्जी ने अपनी जानी दुश्मन रही सीपीएम के साथ भी बातचीत शुरू कर दी है, जो उनकी विपक्षी एकजुटता की पहल की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही दिल्ली में इंडिया गठबंधन की बैठक होने वाली है, जिसमें चुनाव आयोग से संबंधित मामलों और आगे की रणनीति पर गहन चर्चा की जाएगी। हुगली के सेरमपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संदेश दिया कि विपक्ष की सभी पार्टियों को एक साथ बैठकर चुनाव पर एक मजबूत रणनीति बनानी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं यह संदेश, राहुल गांधी तक पहुंचाना चाहती हूं।

मुख्यमंत्री ने ज्ञानेश कुमार के



इस्तीफे तक आंदोलन जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के पीछे ज्ञानेश कुमार का हाथ था, और कहा कि जिस तरह ज्ञानेश कुमार को पकड़ा गया है, उसी तरह वह अन्य गलत काम करने वालों को भी पकड़ेगी। उन्होंने दोहराया कि कुमार को जाना ही होगा, और जब तक वे नहीं चले जाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। ममता ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार ने बंगाल पर कब्जा करने की नीयत से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान चलाया, जिसके तहत 93 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। उन्होंने

दावा किया कि सबसे पहले तृणमूल ने ही सीमा खन्ना की भूमिका को संदिग्ध बताया था, और कहा कि सारे रिकॉर्ड दिए गए हैं, मतदाता सूची से एक-एक करके नाम गायब कर दिए गए हैं। उन्होंने बंगाल पर कब्जा किया है और वह दिल्ली पर कब्जा करेगी।ममता बनर्जी ने घोषणा की कि वे एसआईआर के खिलाफ आंदोलन का समर्थन करने वाली किसी भी राजनीतिक पार्टी का साथ देंगी, चाहे उसका राजनीतिक रंग कोई भी हो। उन्होंने एसीएफ और सीआईडी जैसी एजेंसियों तथा पुलिस की आलोचना करते हुए जनता से कहा, डरिए मत। गिरफ्तारी के लिए तैयार रहिए, खुलकर बोलिए और एकजुट रहिए।

राम मंदिर आंदोलन के महानायक को याद कर भावुक हुए दिग्गज, अशोक सिंघल की जयंती पर देश ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली(ए)। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष और राम जन्मभूमि मुक्ति

अपना संपूर्ण जीवन होम कर दिया और उनका जीवन भारतीय संस्कृति व परंपराओं के संरक्षण में सदैव मार्गदर्शन



सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सिंघल को विश्व हिंदू परिषद के शिखर पुरुष बताते हुए विनम्र अभिवादन किया। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने उन्हें श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के प्रमुख सूत्रधार, पूर्व संरक्षक एवं प्रखर राष्ट्रभक्त कहा। मेघवाल ने जोर दिया कि सनातन संस्कृति के जागरण और प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण के संकल्प को जन-आंदोलन बनाने में उनका योगदान शुभो-शुभों तक स्मरणीय रहेगा। इसी को, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सिंघल ने राष्ट्र के सांस्कृतिक गौरव को पुनर्स्थापित करने के लिए

करता रहेगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिंघल को श्री राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रणेता और भव्य श्री राम मंदिर के निर्माण के संकल्प को अपनी जीवन-साधना बनाने वाले व्यक्ति के रूप में याद किया। उन्होंने कहा कि उनका तपस्वी जीवन सांस्कृतिक स्वाभिमान और राष्ट्र-साधना की अमिट प्रेरणा बना रहेगा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उन्हें श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख ध्वजवाहक एवं विहिप के शिखर पुरुष बताते हुए धर्म, संस्कृति और राष्ट्र

के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी मेघवाल के समान ही सिंघल को

श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के प्रमुख सूत्रधार और प्रखर राष्ट्रभक्त बताते हुए सनातन संस्कृति के जागरण में उनके योगदान को स्मरणीय बताया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अशोक सिंघल को सनातन संस्कृति के प्रखर संचाहक और हिंदू समाज के संगठन व जागरण के लिए समर्पित जीवन वाले परम श्रद्धेय व्यक्तित्व के रूप में नमन किया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हिंदू समाज के संगठन, भारतीय संस्कृति के जागरण और राष्ट्रसेवा के लिए उनके संपूर्ण जीवन समर्पण को रेखांकित किया। धामी ने श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और समाज में जनजागरण के प्रयासों को भी याद किया। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य ने सिंघल को करोड़ों रामभक्तों की आस्था को स्वर देने वाले एवं श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन के महानायक कहा।

वायुसेना को मिलेंगे 160 स्मार्ट एंटी-एयरफील्ड हथियार, पाकिस्तान के एयरबेस ध्वस्त करने वाले ब्रह्मोस से ज्यादा खतरनाक

नई दिल्ली (ए)। भारत ने वायुसेना की लंबी दूरी की सटीक मारक क्षमता बढ़ाने की दिशा में 160 सैटलाइट स्मार्ट एंटी-एयरफील्ड वेपन की खरीद के लिए करीब 811 करोड़ रुपये का करार किया है। यह समझौता भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के साथ किया गया है। हथियारों की खरीद बाय इंडियन-इंडीजनिजसली डिजाइन, डेवलप एंड मैनुफैक्चर्ड श्रेणी के तहत होगी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया है। यह एयर-टू-ग्राउंड प्रिसिजन ग्लाइड बम है, जिसे लड़ाकू विमान से लंबी दूरी से लक्ष्य पर दगा जा सकता है। इसका उद्देश्य दुश्मन के एयरफील्ड और उससे जुड़े महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों को सटीक निशाना बनाना है। बता दें कि वेपन उस ब्रह्मोस से ज्यादा खतरनाक है जिसने ऑपरेशन



सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के कई एयरबेस ध्वस्त किए थे। इस हथियार की खासियत यह है कि इसे लक्ष्य तक पहुंचने के लिए पारंपरिक तरीके से सीधे विमान के ऊपर से गिराने के बजाय लड़ाइ करते हुए लंबी दूरी तक भेजा जा सकता है। इससे लड़ाकू विमान को लक्ष्य के बेहद करीब जाने की जरूरत कम हो सकती है। लंबी दूरी से सटीक हमला करने की क्षमता वायुसेना के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जाती है। भारतीय वायुसेना के जगुआर,

हॉक और सु-30एमकेआई जैसे लड़ाकू विमानों से इस्तेमाल किए जाने के लिए तैयार किया गया है। इसकी तैनाती से वायुसेना को दुश्मन के महत्वपूर्ण एयरफील्ड और अन्य सैन्य ढांचे पर दूर से हमला करने की अतिरिक्त क्षमता मिलेगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस सौदे में लगभग 60 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री होगी। हथियार प्रणाली के कई महत्वपूर्ण सब-सिस्टम का निर्माण देश में किया जाएगा। इससे घरेलू रक्षा उद्योग, स्वदेशी तकनीक और सैन्य उत्पादन क्षमता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। हथियारों की आपूर्ति वित्त वर्ष 2027-28 और 2028-29 के दौरान किए जाने की योजना है। यह परियोजना आत्मनिर्भर भारत के तहत देश में विकसित और निर्मित आधुनिक हथियार प्रणालियों को बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

